



दक्षिण काश्त रईही कापसी नगरी बाबे -
 मोजा सेर पुरा परगना पुलवारी बाता अगोल
 सर्व धाना खं सब रजिद्री रातापुर सरा-
 रजिद्री खं जिता पजा जो जमीन पजा-
 विमाश प्राधिवा श्रेष्ठ वे अन्तर है अन्तर
 अम्हर पलान के अंश परेदी श्रेष्ठ से वपर
 है। तथा सरकारी राजस्व अतिलेश के यह भूमि
 कृषि योग्य दिखलाया गया है जिसने आज तक
 कृषि कार्य हो रहा है जिसकी बाता केरला
 ५१ इकावन दो जी केरला ५६३५ पांच हजार साठ
 सो पैंतीश स्क्वा केरला ३०२ तीन को आठ सैं
 स्क्वा केरला १०३७/११६२ एक हजार सैंतीश
 बर एक हजार एक वेधालीस का अंश भाग
 सरासी जैच कहा पांच दूर जिसकी बाबिद
 लगान १) एक अम्हर अलोल शेष। —
 राजमीनारी विहा सरवा द्वारा अंचलकमील
 रातापुर पजा जमावारी केरला ५६ वर्ष -
 १५५६/५६ ई०।

~~अहरी~~

पेनाइश

उत्तर भरत नगर सहाय कौरे :- जन्म :- ७४-६४६ पीठ।

रश्मिजः सद्व

रसिना ७१.६४६ पीट

पुख शिव टोटा संख्या १०६०

पुख १०० पीर

पश्चिम पट्टे लोड रेखा 9036
9982

ਪੰਜਵਾਂ ਭਾਗ

— श्री आम्रप्राश

[illegible]

एविवर मर है कि इस विषय पर के खान केसा 2
 मे वर्गित समिति लेखकारी गण के खानगी समिति है।
 जिसपर लेखकारी गण आज तक स्वतंत्र रूप से वाकि
 दलील मालीक मुल्की ल चले आते हैं जो है और लेख
 कारों का न मा वो लेखकारी 2 एवं 3 के पित्तविल
 नन्दन सहाय का नाम अचल कपिलदास दानपुर के
 जगज्जो देवरा केसा 16 पर इसी चला आता है
 इस प्रकार लेखकारी गण को उपर्युक्त सांग केसा
 2 के वर्गित समिति पर राजव वनमा का उगाण उपर
 रूप से है। यह कि लेखकारी गण को लयाल समिति
 का जरूरी वास्ते बनाने मकान एवं खरीदने अन्य
 पाथेद मन्त्र समिति के लिए समिति का अल्पकाल
 इच्छता है। इसलिए लेखकारी गण के उपर्युक्त खान
 केसा 2 के वर्गित समिति को किसी बड़े का वाह
 चीत बाह तौर से शलान बिदे के फाएकलारे
 तो अन्य से खान केसा 2 के लेखकारी गण के
 साख कुल विवर के 392000 तीन लाख बारह हजार
 सात आठ मे तम के वरा हुआ तक लेखकारी गण
 अपने खुशी के खातिर के दोश को हवाह मे रहार
 वो अपना सपरीवा एवं अपने शुभ चिन्तों को एवं -
 कानुनी सहायकों से प्रतिश इत्यादि केवर को
 अपनी सम्पुर्ण लाभ एवं हानि को मली कहि सम
 पुनर वो विवर किसी बड़े इलाक को चतवाल
 के कुल विवर के 392000 तीन लाख बारह हजार
 रुपया मे वारह साना तिला 2 के लेखकारी गण
 के हाथ वेचा वा कपला कलामी बिचा वा निर्दि-
 वाह विक्रयका एकल लक्ष स्वीकार बिचा वा
 मूल्य के कुल रुपया लेखकारी गण न इस -

जो शक्ति विष्णु पक्ष पर हस्तक्षेप करने के लिये ही
रखीया पक्ष को एक मुक्त गंगा वसुल को बेवाम
पा चुके हैं। इस प्रकार कुल समाज वसुल पावर लेखन
करिगण को रखीया पक्ष को उपर्युक्त खाना के समान-
हू में वर्जित समिति पर रावल कब्जा दिना को बलीक
मुक्तकील लना दिना को खाना तक जो कुछ एक-
अधिकार को रावल कब्जा लेखन करिगण को खाना हू
में वर्जित समिति पर बलिहारी को लेखन कुल एक
अधिकार को रावल कब्जा मुख्य के कुल समाज के
वहले भाग के किसी से हस्तक्षेप देकर रखीया
पक्ष को रक्षित हुआ।

अतः अब रखीया पक्ष या उनके उत्तराधिकारी उपर्युक्त
खाना के समान हू में वर्जित समिति पर अपनी रावल
कब्जा हस्तक्षेप करने समिति को निरप्रकार से चोरे
अपनी उपरोक्त के प्रयोग में लाने के बाद अपनी
लेखन करिगण के खाना पर कंचल गार्डियन के
जमावारी बलिहारी पर या कोट जहाँ जहाँ जरूरी
समय इस विष्णु पक्ष के आग्रह के नामित बर
लेते। इस वक्त लेखन करिगण या उनके उत्तराधिकारी
गण को किसी प्रकार का कोई सामान्य संक विरोध
नहीं होगा। यह कि लेखन करिगण विरोध को
लेखन करिगण के हस्तक्षेप यत्नी समान प्रकट
विरोध है। को विश्वास दिता है कि उपर्युक्त खाना
के समान हू में वर्जित समिति हर प्रकार के अधिकार
संबंधी माला-माला गारु सरकारी वोटों सरकारी
से जुड़े। मुख्य संक पाक शासन है अगर बिलाप
इसके उपर्युक्त खाना के समान हू में वर्जित समिति
पर किसी प्रकार का अधिकार संबंधी माला

प्रमाण और खरीदारी के जोर से करीब पाया जाय या
 लेखकरी जाय या इनके उत्तराधिकारी जण के हस्तक्षेप
 करने के फलस्वरूप ~~खरीदारी~~ खरीदार पक्ष या उनके
 उत्तराधिकारी उपपुत्र स्वामन के समान इमे वर्जित सम्पत्ति
 के किसी केश या कुल भु भाग के बेराखकर
 दिये जाये जिसके किसी प्रकार कोई शक्ति खरीदार
 पक्ष या इनके उत्तराधिकारी के हो तो वैसी हालत
 में खरीदार पक्ष का निश्चय बराबर बने लेखकरी या
 इनके उत्तराधिकारी जण के हर प्रकार के सम्पत्ति के
 आपसी सम्बन्ध के अन्तर्गत सभी को उसका मजदूरी
 सूर करीब वसूल के ब्यापक कर लेगे उस तरह लेख-
 करी जण या इनके उत्तराधिकारी जण को किसी-
 प्रकार का कोई आपत्ति एवं विरोध नहीं होगा। -
 इसका यह मत अधिक निर्विवाद विमुक्त पक्ष या नि-
 के वला वपला बलासी लेखकरी जण के लेखकरी जण
 के पक्ष में लिख दिया कि सम्पत्ति पर वाद होने को
 प्रमाण रहे सम्पत्ति। तारीख १-१०-१९९९ ई. को शपथ
 बन्दन सहज वद लिख सोही जागण सूर पद्वार सम्पत्ति
 लिख कुल सम्पत्ति इनामालन वसूल पाया ता. २-१०-९९.
 सोही निवेदन बन्दन सहज वद लिख सोही जागण
 सूर पद्वार सम्पत्ति लिख सो इनामालन वसूल पाया
 ता. २-१०-९९ शपथ बन्दन सहज २-१०-९९ सोही
 खरीदार बन्दन सहज विमुक्त पक्ष लिख सो सोही है जागण
 सूर पद्वार सम्पत्ति लिख सम्पत्ति इनामालन वसूल पाया
 २-१०-९९ शपथ बन्दन सहज २-१०-९९ गवाह कुमार
 गौरव मो. सै. पुरा बाजार खोलेल लिख पता २-१०-
 ९९ शपथ बन्दन सहज २-१०-९९ गवाह अश्वर
 सप्तग्रह-वक मुया बाजार जानीपुर लिख पता
 दिनांक ४-१०-९९. शपथ बन्दन सहज २-१०-९९ -
 शपथ बन्दन सहज २-१० ~~शपथ बन्दन सहज~~

૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય ૨-૧૦-૬૬ શ્રાવણ વજરન સહાય
 ૨-૧૦-૬૬ લેખક સાથે જુના ગુણ અને જાણિત્ય
 બાજુ રાજાપુત પદ્મ લેખકને લેખકને લેખકને લેખકને
 સંબંધિત લેખકને સુના રિતિ

67760 Tinsburydeal 10062 વપ 83
 15.9.99 વપ
 લેખકને (વપ) 12મ 67710 નમ સ્ત્રીની 3મા પાંચ (પિત્ર
 પતિની રામ પ્રેમશ ચૌધરી ગ્રામનદભા રવાઈ નવાના વહી
 મા (પુ) નિમ (વપ) 60 ઝાલ 15.9.99 મુદત નિમિત્ત
 T.S. 10074 વપ લેખકને (વપ) 12મ 67710 નમ સ્ત્રીની
 3મા પાંચ (પિત્ર) 4 ગ્રામનદભા પમાન પમાન
 60 ઝાલ 15.9.99 મુદત નિમિત્ત T.S. 10073 વપ
 લેખકને (વપ) 12મ 67710 નમ સ્ત્રીની 3મા પાંચ (પિત્ર)
 પિત્ર) 4 ગ્રામનદભા પમાન પમાન 60 ઝાલ
 15.9.99 મુદત નિમિત્ત T.S. 10072 વપ લેખકને (વપ)
 12મ 67710 નમ સ્ત્રીની 3મા પાંચ (પિત્ર) 4 ગ્રામ
 નદભા પમાન પમાન 60 ઝાલ 15.9.99 મુદત
 નિમિત્ત T.S. 10071 વપ લેખકને (વપ) 12મ 67710
 નમ સ્ત્રીની 3મા પાંચ (પિત્ર) 4 ગ્રામનદભા પમાન
 પમાન 60 ઝાલ 15.9.99 મુદત નિમિત્ત T.S. 10070
 વપ લેખકને (વપ) 12મ 67710 નમ સ્ત્રીની 3મા પાંચ (પિત્ર)
 પિત્ર) 4 ગ્રામનદભા પમાન પમાન 60 ઝાલ 15.9.
 99 મુદત નિમિત્ત T.S. 10069 વપ લેખકને (વપ) 12મ
 67710 નમ સ્ત્રીની 3મા પાંચ (પિત્ર) 4 ગ્રામનદભા પમાન
 પમાન 60 ઝાલ 15.9.99 મુદત નિમિત્ત 10068
 T.S. વપ લેખકને (વપ) 12મ 67710 નમ સ્ત્રીની
 3મા પાંચ (પિત્ર) 4 ગ્રામનદભા પમાન પમાન
 60 ઝાલ 15.9.99 મુદત નિમિત્ત T.S. 10067

N^o. 5297 stamp RS 5000 X 13 + 1000 X 2 + 500 + 100 X 2 + 10
= RS 67710/- only.

on 22/11/2019 (sl) Mr Ali John
8.10.99

9912 to 4914 9.10.99

5503 20.11.99

1083, 1088 72.9.99

1134 14.9.99
 (sl) Neelimalal
 9.10.99

45870

21840

67710

(sl) Neelimalal
 9.10.99

23

(sl) Neelimalal
 9.10.99

2302-

PO - 12480 = 00

PAF - 54 = 00

12534 = 00

470 - 2-50

10 - 1-12

3-62

12537-62

60/100
 1140

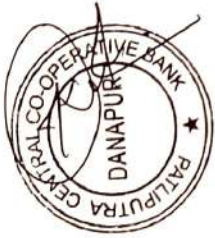
M



First Party Name * : Not Applicable
Second Party Name * : SANJAY KUMAR
Purchased By * : SANJAY KUMAR
Certificate Number : BR038156531697276373931
Consideration Price : ₹0.00/-
Stamp Duty Paid : ₹100.00/-
Registration Fee & Other Fees : ₹0.00/-
LLR & Proc Fee : ₹0.00/-
Miscellaneous Fees : ₹0.00/-
Discore SC : ₹0.00/-
Total Amount : ₹100.00/- (One Hundred)



----- This stamp paper will only be valid if embossed below with special RED ink impression -----



Phone No:
Sold To/Issued To:
Sanjay kumar
For Whom/ID Proof:
Sanjay kumar

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL
SRO OFFICE
DANAPUR
800012

BIHAR
बिहार



सामान्य गैर न्यायिक
भारतीय गैर न्यायिक



OCT-18-2023 11:01:19

₹ 0000100/-
ZERO ZERO ZERO ZERO ONE ZERO ZERO

Other
38156531697626879088-00003722
3815653 00000000000000000000

9462 Section 28-10-23

अभिप्रमाणित छायाप्रति

अवर निबंधक
द्वारा

28/10/23



9462 287023

प्रवदन दिनांक. ३

प्राप्त शुल्क

च (I).....

च (II)..... 100

च (III).....

च (IV)..... 500

च (V).....

च (VI)..... 600

च (VII).....

च (VIII).....

च (IX).....

च (X).....

च (XI).....

च (XII).....

च (XIII).....

च (XIV).....

च (XV).....

च (XVI).....

च (XVII).....

च (XVIII).....

च (XIX).....

च (XX).....



14962 am 312000/५६ 21215 P 5247 5000Rs



12480-00
 54-00
 12534 00
 12537.62
 21800
 6771 00

12/9/88
 14/9/88
 45870

9/10/88
 9/11/88

नाम लेख्यकारीण :- ७ श्री रामनन्दन खहाम
 पिता का नाम स्वर्गीय राम नन्दन
 खहाम ।
 ७ श्री किरीट नन्दन खहाम पिता
 ७ श्री सतीश चन्दन खहाम का नाम

श्री किरीट नन्दन खहाम पिता का नाम
 ७ श्री सतीश चन्दन खहाम का नाम



Jan 30

40772

67710

श्री अतो उवाची

9/10



67410



13062 TEBANDI

श्री ६७७१०
विभाग/वि...
काम/विभाग...
पद/विभाग...
दिनांक...

श्री ६७७१०
विभाग/वि...
काम/विभाग...
पद/विभाग...
दिनांक...

उद्योग नन्दन सहस्र
२/१०/८८
१/१०/८८

१२/१०

१२/१०

उद्योग नन्दन सहस्र
२६२८०५२२/९९
उद्योग नन्दन सहस्र
१/१०/८८



२६२८०५२२/९९
उद्योग नन्दन सहस्र
१/१०/८८

उद्योग नन्दन सहस्र
१/१०/८८



5000Rs



स्वर्गीय विजयनन्दन खहम सभी
 लेहमकारीगण का निवास स्थान
 सैदपुर चाना एवं पन्नालय खर्गोल
 जिला पहना भारतीय नागरिक।
 नाम लेहमकारीणी :- श्रीमती उषा चौधरी

पति का नाम श्री राम उवेश
 चौधरी निवास स्थान रुवाईच
 चाना एवं पन्नालय दारुमपुर
 जिला पहना चंदा गढ़नी
 भारतीय नागरिक।

हम उकार :- निर्विवाद विक्रम पत्र पान
 कैपामा पमला कलामी । 1988

of absolute





13074 67710

श्री मल उवा चौदरी

...

...

...

...

२९-९९



२६५००८ २२/९९

कुमार जीरव

१/१०/९९

९५६



अवर निदेशक,
मुनापुल



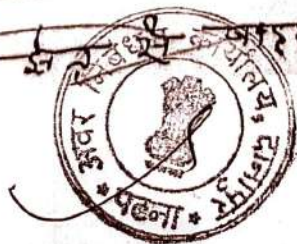


रुपयंकन :- अंक 312000) तीन लाख पारह
हजार रुपया मात्र।

रुपयि का :- मवाजी ५ कड़ा ५ धूर (पांच
पियरणा कड़ा पांच धूर) घोस खा
पांच कड़ा-रुणी हरिमत काहर
रईती काममी नगरी चारै भौजा
सैफपुर परगना फुलचारी चाना
खण्डाख खैर, चाना खं खण
रिजस्ट्री दानापुर खंदर रिजस्ट्री
खं जिहा पहना जी जमीन
पहना पिकाश जगधकार इत
के अन्दर हो भगर भारता पलान
के अंश पटीची इत

2/10/12
मवाजी नगरी चारै

उषा कुमारी जोरव
मि० मी० पुरा
मवाजी-खडीक
मवाजी-पटना
2/10/12



5000Rs



हो तथा स्वकारी राजस्व अभिलेख
 में यह सुमि कृषि प्रोत्तम निदलनामा
 गया हो जिसमें आज तक कृषि
 कार्य हो रहा हो जिसकी भाग संस्था
 (इकावन) गैली संस्था ५६३५
 पाँच हजार खात रेंगे वेतीश खात संस्था
 तीन सौ आठ सौ खसए संस्था
 १०३६/११४२ एक हजार सेतीश चरा
 एक हजार एक रेंगे वेथालीश का
 भरा भाग, एसी पाँच रुडा पाँच
 रु।

जिसकी चौखर लगान १) एक रुपमा
 प्रसाद शेष।



१०३६/११४२
 ५६३५

जवाहर - गहर कसक रुपा
 जाम - एक मुला
 गला - जानिपुर
 जिला - परना
 दिनांक - २१/०१/१९७४



10072

677+0

श्री अली उबादी
विषय/विषय
दिनांक/महत्त्व
स्थान

8-9.88

9/10



अवर निदेश
द्वारा





पञ्चमीन्दारी बिहार सरकार का अंचल
कार्यालय दानापुर एतका।

जमाद्वी संख्या 56 वर्ष 1951/56
रु।

श्रीद्वी

पैमाईश

कृत्रः भरतनन्दन खहाम
पैमाईश।

कृत्रः 67-674 जीर।

द्विजः खड़क

द्विजः 67-674 जीर।

कृत्रः खड़क संख्या 7036

कृत्रः 7036 जीर
द्विजः नन्दन (द्विज)

पैमाईशः 7036 जीर
7036 जीर
7036 जीर

उभाश।



15871

विषय, का

पृष्ठ 7746

श्री विवेकानन्द

पता/दि

वर्ग/वर्ग

वर्ग

वर्ग



159-91

9/10



अ. वि. वि. वि.





संदर्भ

हकिमत यह है कि

इस निष्पक्ष चर्चा के खाना संस्था में
 में चर्चित सम्पत्ति लेहमकारीगण से
 खानादानी सम्पत्ति हो जिस पर लेहम-
 कारीगण आज तक स्वतंत्र रूप से
 कीपज दलील मालीक दुदतभील चले
 जाते हो-का हो और लेहमकारी न
 न का-का लेहमकारी का संस्था उ
 के पिता विजयचन्दन खाना के काम
 जंचल कार्यालय दानापुर के जमादस्ती
 संस्था संस्था 56 पर दर्ज चला आता
 हो इस उकार लेहमकारीगण से
 उपरुक्त खाना संस्था में चर्चित

27/10/20



15070



कोषाध्यक्ष,
क्र. 677+0
श्री श्री उपाधीक्षी
विभा/सि
नाम/पद
वर्ग
दिनांक

9/9/99

9/10

[Faint circular stamp and handwritten signature]



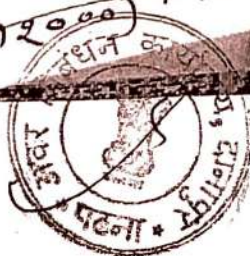
5000Rs.



सम्पत्ति पर दखल कबजा का उपाय
पूर्ण रूप से है-

यह कि लेहमकारीगण को
तत्काल रूपसे का जहरी चारे बनाने
मकान एवं खेतीदिने अन्य कामदिने मन्द
सम्पत्ति के लिए रूपसे का अग्रन्त
आवश्यकता है। इसलिए लेहमकारीगण
ने उपयुक्त खाना संहरा गुरु में चर्चित
सम्पत्ति के निवृत्ति करने का बात-
चीत आम तौर से एकाग्र निम्न की
उच्चार कल्याण की ऊपर में लाना
संहरा गुरु के लेहमकारीगण के साथ
कुल निम्न अंके 0120000 तक लाना

7/1/12
2/11/12



10063



10063
पु.सं. ६७७७/६०
अथ श्री मन्त्री उपाय विचार
लेखा/संवि
आय/व्यय
विवरण
दिनांक

१५९९

१ १ १०



अथ वि.सं.सं.
द्वारा

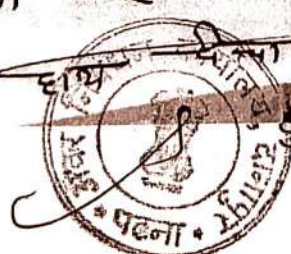


5000Rs.



चार हजार रुपया मात्र में लय की
 गए हुआ लय लेखकारी जण अपने
 पुत्री के खदीरा से होश के
 दवाश में रहकर के अपना खदीरा
 एवं अपने सुभ चिन्तकी एवं काश्वी
 खदीरा से पुत्रीश. श्यामदे लैकर
 के अपनी खमपूर्ण लाम एवं शीत
 के भली मोति खममा पुम्भकर
 के पिचका किसी बाहरी शाय
 के धममाय के पुल किमर अंके
 ७११०००) तीन लाख चार हजार
 रुपया में बहुर खाना खेला ०२
 के लेखकारी के दाय

श्याम नंदन १९५३
 १/१०/५३





13068

67710

श्री श्री उज्जयिनी

१९९१

१११०



अवर दि. ११/१०/९१





के चमला मलामी मिथा के निधि-
 काद पिकुय पत्र का एकर खर्च
 स्वीकार मिथा के गुण्य के कुल
 रुपया लैह्यकारीगण ने इस बरिस
 पिकुय पत्र पर दस्ताक्षर करने
 के पूर्व ही खरीदार पत्र के
 एक कुल नगद पत्रों के विचार
 का लुके है।- इस ठेका कुल
 रुपया पत्रों पर लैह्यकारीगण
 के खरीदार पत्र के उपपुर्ण
 राना संख्या नु में वर्णित रुम्वति
 पर दस्ताक्षर रुखजा मिथा के मालीरु





15067

67710
श्री मति एखादी
[Illegible text]
[Illegible text]
[Illegible text]

895

9/10



[Illegible text]



5000Rs



मुद्रासीन बना दिया था काज रु
 के कुछ रु अधिकार के दखल
 कबला लिखकारीगण को लागा न
 में चर्चित सम्पत्ति पर दोगला
 या के रु कुछ रु अधिकार
 के दखल कबला मुद्रा के कुछ
 रुपया के बदले आज के निष्पी
 से दखलतीर दोग खरीदार पक्ष
 के दोगला हुआ।

7/10/19

अतः अब खरीदार पक्ष
 या उनके उरखकारी उपभुक्त
 लागा संख्या नु में चर्चित सम्पत्ति



15066



67710
श्री श्री उपाय
[Faint lines of text and a vertical line]

15 9-9

9/10

[Faint circular stamp] *म*
[Faint text]

श्री श्री उपाय
[Faint text]





पर अपनी दखल कबजा स्थापित
 नहीं करवाते कि जित्त उकार से
 चाहे अपनी उपयोग की उपयोग में
 लाये - का नाम अपनी लेखकारी
 गण के स्थान पर अचल कार्यालय
 में जमावदी रिजिस्ट्रार पर मा
 और जहाँ - जहाँ जाती समझें
 इस विषय पर के माध्यम से
 नमोदित हुए लगे उस का लिए
 कारीगण या इनके उत्तरदायी गण
 को किसी उकार का कोई कार्यान्वित
 एवं विरोध नहीं होगा -

लेखकारी गण



130088

130088

67710

श्री श्री उद्योग

599

7 19



उद्योग





विदेशी) के लेख्यकारीणी (कैला)

के नाम पर भी स्वयं उक्त

मिथ है और विपश्चात दिनांक

है कि उपर्युक्त खाना संस्था में

में वर्णित सम्पत्ति पर उक्त

के अधिकार संबंधी कंम

मग कर सुकाली की और

सुकाली से इनके उक्त एवं

पक प्राप्त हो- अगर विमान

रखने उपर्युक्त खाना संस्था में

में वर्णित सम्पत्ति पर किसी

उक्त का अधिकार संबंधी कंम





10064

संख्या (संख्या/वर्ष)

६७७/९९

श्री श्री उपाधी

विभाग

आवक/प्रत्युत्तर

विषय

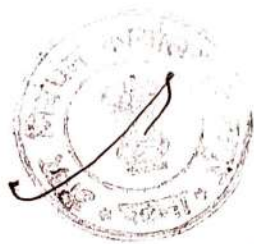
दिनांक

५९ ५९

१/९

म

सं. वि. सं. सं. सं. सं.





मृग मार खासरी के और खासरी
साया फार या लिए खासरी गण या
हकी उरही खासरी गण के दारही
मले के फल रूप रसीदा
पक्ष या उनके उरही खासरी
उरही खासरी खासरी गण में
पक्ष खासरी के मिला मोर
या फल ग- भाग ज
खासरी खासरी फार



13063

उत्तराखण्ड

67740

श्री मती उवासी

पिता/पति

प्राप्त/प्राप्त

प्राप्त

प्राप्त

१९९९

१००



म

उ. वर निवेदन,
बनारस



1000 Rs.



जिससे मिली ठगार का

मैं इसी तरीका पर या

इसके उद्दिष्टकारी के हा

थी यही हालत में तरीका

पर जागरा अदालत भर्ते

लेखकारीगण या इसके

लेखकारीगण के हा ठगार

के सम्पत्ति के अपनी अदालत

के भय दर्ता - खर्चा के





अर्थ (विशेषकर) कर्म
दिनांक ७/७/७०
श्री कृति उवाच
पिता/पति
माता/पत्नी
उपना
पिता

१९९१

१५/१०



अर्थ (विशेषकर) कर्म
दिनांक ७/७/७०





उसका कानूनी खर्च सुधीर

पट्टाल की सेवाओं में लेना-

उस पर लिखवाती गण या

रुके उद्दिष्टकारी गण में

मिली ठगार का सेट

मायने एवं सिद्ध नहीं

धन

इस वही यह किशका



500Rs



निर्दिष्ट निचय पर धीरे
से वाता यमका ऊपर लेख-
कारी गण मे लेख बादी की
पक्ष में निव दिष्ट कि
समय पर काग माफ
का छाता रहे (समाप्त)

2/10/14
2/10/14



32



20401

आम्र पत्रिका
क्र.सं. 677/19
श्री. श्री. श्री.
पता/स्थिति
राज्य/प्रदेश
महानगर

9-9

9-10





2011/12-2012/13

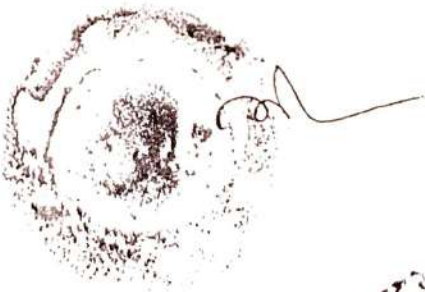


34



67770
श्री कला उद्यान
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

9-10



महेश्वरी
[illegible]





100Rs.

2000/10/12

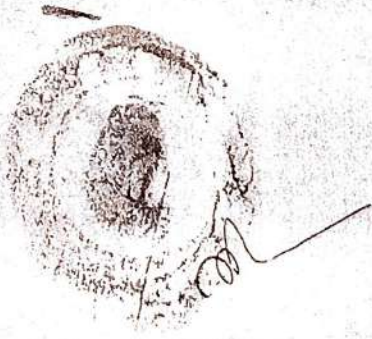




संख्या 67710
श्री अता उषा चौधरी
निवासी
...

६९९

११०



...



38



67710
श्री अना उषा...

९९९

११०



अना उषा...





तारीख 1- 5- 90 - 1555 28



लेखिका- अजय कर्मा अहम 2800 का.पि.अ.क.
बनारस, बिहार, भारत
17/11/20



67710
श्री अता उपाधी

५५५५

161
प्राप्त
6-2-08

रजनी कोटी प्रति

4-10-9



Handwritten signature and date 6-2-08.

6-2-08
1999

अभिप्रेमाणित छायाप्रति
५५५५.....पृष्ठों में है।

अवर निबंधक
28/10/23

Handwritten signature and date 28/10/23.

